अध्याय - 12 | आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थः महान् रिपुः

QUIZ PART-04

1. **धनिक ने भिक्षुक से स्वयं को कैसा न मानने को कहा?**
   A. दुर्बलम्
   B. धनिकम्
   C. बुद्धिमन्तम्
   D. परिश्रमी (A)

व्याख्या : धनिक पूछता है—"किमर्थं त्वम् आत्मानं दुर्बलं मन्यसे?"

2. **सौभाग्य से मनुष्यों को क्या प्राप्त हुआ है?**
   A. प्रभूतं धनम्
   B. दीर्घः अवकाशः
   C. मानवजन्म
   D. भिक्षापात्रम् (C)

व्याख्या : पाठ में मानव जन्म को सौभाग्य से प्राप्त बताया गया है।

3. **मानव जीवन को सफल बनाने के लिए क्या करना चाहिए?**
   A. केवल विश्राम
   B. भिक्षाटन
   C. धन की प्रतीक्षा
   D. प्रयत्न (D)

व्याख्या : धनिक कहता है—"अस्य सफलतार्थं प्रयत्नं कुरु।"

4. **धनिक की शिक्षा के बाद भिक्षुक ने क्या त्याग दिया?**
   A. भोजनम्
   B. भिक्षाटनम्
   C. ग्रामम्
   D. परिश्रमम् (B)

व्याख्या : उस दिन से उसने भीख माँगना छोड़ दिया।

5. **भिक्षुक ने धन कैसे अर्जित करना प्रारम्भ किया?**
   A. परिश्रमेण
   B. दानेन
   C. भिक्षया
   D. भाग्येन (A)

व्याख्या : उसने मेहनत करके धनार्जन प्रारम्भ किया।

6. **"सगौरवं जीवनयापनम्" का अर्थ क्या है?**
   A. दुःखपूर्वक जीवन बिताना
   B. आलस्यपूर्वक जीवन बिताना
   C. दूसरों पर निर्भर रहना
   D. सम्मानपूर्वक जीवन बिताना (D)

व्याख्या : परिश्रम से उसने स्वाभिमान और सम्मान के साथ जीवन जीना आरम्भ किया।

7. **श्लोक के अनुसार मनुष्य के शरीर में स्थित महान् शत्रु कौन है?**
   A. धनम्
   B. उद्यमः
   C. आलस्यम्
   D. अध्ययनम् (C)

व्याख्या : "आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।"

8. **श्लोक में किसके समान कोई दूसरा बन्धु नहीं बताया गया है?**
   A. विश्रामस्य
   B. उद्यमस्य
   C. आलस्यस्य
   D. भिक्षायाः (B)

व्याख्या : "नास्त्युद्यमसमो बन्धुः" अर्थात् उद्यम के समान कोई मित्र नहीं है।

9. **आलस्य के कारण क्या होता है?**
   A. कार्य सिद्ध नहीं होता
   B. धन स्वतः प्राप्त होता है
   C. सम्मान बढ़ता है
   D. मनुष्य परिश्रमी बनता है (A)

व्याख्या : भावार्थ में बताया गया है कि आलस्य के कारण कार्य पूरा नहीं होता।

10. **"त्यक्त्वा" शब्द का अर्थ क्या है?**
    A. प्राप्त करके
    B. देखकर
    C. त्याग करके
    D. बोलकर (C)

व्याख्या : पाठ की शब्दार्थ-सूची में "त्यक्त्वा—त्यागं कृत्वा" दिया गया है।